>

Title: Need to improve service conditions of military officers.

श्री गोपाल सिंह शेखावत (राजसमंद) : देश में लोक सेवा आयोग भारतीय मिलिट्री सेवा तथा सिविल सेवा में प्रवेश हेतु परीक्षाएं आयोजित करता है। सिविल सेवा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को एक साल की प्रशिक्षण अवधि के बाद नियुक्ति दे दी जाती है तथा इस परीक्षा में चयनित अधिकारियों के कैरियर की शुरूआत भी ऊंचाई से होती है तथा टाइम स्केल प्रमोशन के जरिए कैरियर की ऊंचाई पर पहुंच कर अवकाश ग्रहण करते हैं। विडंबना यह है कि सैद्धांतिक दृष्टि से भारतीय सिविल सेवा तथा भारतीय रक्षा सेवा को समकक्ष माना गया है, लेकिन भारतीय रक्षा सेवा के सफल उम्मीदवारों को चार वर्षीय कठिन प्रशिक्षण की अवधि से गुजरने के बाद नियुक्ति मिलती है तथा पूरे कैरियर के दौरान यह प्रक्रिया चलती है। इसके अतिरिक्त भारतीय रक्षा सेवा के अधिकारियों को बहुत विपरीत परिस्थितियों में काम करते हुए देश की रक्षा में अपना जीवन लगा देना पड़ता है। कठिन सेवा शर्तों के चलते इस सेवा के प्रति देश के युवाओं में रूचि घटती जा रही है जिसके परिणामस्वरूप हजारों पद रिक्त पड़े हुए हैं। एक पूर्व रक्षा सचिव की अध्यक्षता में बनी समिति ने टाइम स्केल के प्रमोशन के माध्यम से ब्रिगेडियर के ग्रेड तक इस तरह की सिफारिश की थी। मेरा सरकार से विनम्र अनुरोध है कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सैन्य अधिकारियों की सेवा शर्तों में सुधार कर उन्हें सुविधाएं प्रदान की जाएं।